

प्रत्युदाहृत वि. (तत्.) जिसका प्रत्युदाहरण दिया गया हो दे. प्रत्युदाहरण।

प्रत्युद्धरण पुं. (तत्.) विधि. पुनः प्राप्त करना, दूसरे के हाथों में गई वस्तु को वापस लेना, (खोई हुई वस्तु, अधिकार/वस्तु आदि पर) पुनः अधिकार पाना।

प्रत्युद्धरणीय वि. (तत्.) जो प्रत्युद्धरण के योग्य हो दे. प्रत्युद्धरण।

प्रत्युद्धरित वि. (तत्.) दे. प्रत्युद्धृत।

प्रत्युद्धृत वि. (तत्.) जिसका प्रत्युद्धरण हो चुका हो दे. प्रत्युद्धरण।

प्रत्युपकार पुं. (तत्.) किसी उपकार के बदले में किया जाने वाला उपकार, किसी की कृपा या सेवा का बदला चुकाना, उपकार का प्रतिदान, बदले में सेवा, भलाई के बदले में की गई भलाई।

प्रत्युपकारी वि. (तत्.) प्रत्युपकार करने वाला दे. प्रत्युपकार।

प्रत्युपदेश पुं. (तत्.) बदले में दिया गया परामर्श या उपदेश, किसी सलाह या राय के बदले में दी गई सलाह या राय।

प्रत्युपलब्ध वि. (तत्.) जो फिर से प्राप्त हुआ हो, वापस मिला हुआ, पुनः प्राप्त।

प्रत्युपाय पुं. (तत्.) किसी युक्ति को निष्फल या विफल करने के लिए किए गए उपाय, सुधार अथवा उपचार।

प्रत्यूर्जक पुं. (तत्.) आयु. किसी भी कारण व्यक्ति विशेष के शरीर में उत्पन्न करने वाले या उनके पैदा होने में सहायता करने वाले तत्व।

प्रत्यूर्जता स्त्री. (तत्.) आयु. सामान्यतया अहानिकर पदार्थ के प्रति किसी व्यक्ति के शरीर में हो जाने वाली असामान्य अनुक्रिया उदा. बसंत ऋतु में परागकों की उपस्थिति से छींके आना,

खुजली होना या साँस में तकलीफ अथवा शरीर में ज्वार आ जाना आदि।

प्रत्यूर्जा स्त्री. (तत्.) ऊर्जा को निष्प्रभावित करने वाली अथवा उसके रूप, प्रकार परिणाम आदि में अंतर ला देने वाली शक्ति।

प्रत्यूष पुं. (तत्.) 1. सुबह, प्रभात, तड़का, भोर, सबेरा, प्रातःकाल 2. सूर्य, आठ वस्तुओं में से एक।

प्रत्यूह पुं. (तत्.) विघ्न, बाधा, अड़चन, रुकावट।

प्रत्येक वि. (तत्.) बहुतों में से हर एक, जितने हैं वे एक-एक कर सभी या समस्त, सब में से हर एक अलग-अलग एक-एक कर सारे।

प्रत्येय पुं. (तत्.) वास्तविक अस्तित्व जो किसी विचार या कल्पना से मेल खाए तथा उससे सुसंगत हो।

प्रत्योयोजित पुं. (तत्.) ऐसा अधिकार जिसका प्रयोग किसी अन्य की सहमति से उसके प्रतिनिधि के रूप में किया जा सकता हो।

प्रथन पुं. (तत्.) विस्तार करना, फैलाव, बखेरना, फैकना, आगे की ओर बढ़ाना, कोई चीज फैलाने का स्थान, प्रसिद्ध होना, सुविख्यात होना, प्रकाशन, प्रदर्शन।

प्रथम वि. (तत्.) जो क्रम/संख्या आदि में सबसे पहले हो, पहला, आगे, जो सबसे बढ़कर हो, अव्वल, सबसे अच्छा, सर्वश्रेष्ठ, प्रधान, मुख्य, आरंभिक, आद्य।

प्रथम अपराधी पुं. (तत्.) विधि. वह व्यक्ति जिसकी पहली-पहली बार किसी अपराध के लिए दोष सिद्धि हो जाए, वह व्यक्ति जो कानूनी तौर पर अदालत द्वारा पहली बार कसूरवार कहा गया हो।

प्रथम आमाशय पुं. (तत्.) पेट के पाचन-तंत्र में सबसे पहले की थैली जिसमें चबाने के पश्चात् सबसे पहले भोजन इकट्ठा होता है, प्रथम आवक प्रथम जावक विधि. (देश.) प्रशा. कार्यालयों आदि में अपनाई जाने वाली एक विधि या